Nai Dunia (Indore), 21st July 2021, Page-5

सरकार की नीति, शासन, प्रशासन बेहतर करने में योगदान देगा हमारा आइआइटी

अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन व नीति विश्लेषण संस्थान के साथ समझौता

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने भोपाल स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन और नीति विश्लेषण संस्थान (एआइजीजीपीए) के साथ मंगलवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।

इसके तहत आइआइटी इंदौर अब सार्वजनिक नीति, शासन, प्रशासन और इससे संबंधित क्षेत्रों को बेहतर करने में सहयोग देगा। इसके लिए दोनों संस्थान मिलकर समय-समय पर सार्वजनिक नीति, शासन, प्रशासन और अन्य विषयों पर व्याख्यान, संगोष्ठियां, कार्यशालाएं, पैनल चर्चा, वेबिनार, प्रशिक्षण और अन्य कार्यक्रम करते रहेंगे। इन विषयों में किए जाने वाले अनुसंधान और प्रकाशन में भी दोनों संस्थान मिलकर काम करेंगे। सरकार को नीति निर्माण में सहायक दस्तावेज और सभी तरह की राय भी दोनों संस्थान देंगे।

संस्थान पारस्परिक हित के कार्यक्रमों के चल रहे अनुसंधान या विकास में भाग लेने के लिए अन्य संस्थान के सेवारत और सेवानिवृत्त सिविल सेवकों, शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों और अन्य सक्षम व्यक्तियों की पहचान करने और आमंत्रित करने के तरीकों की जांच करने के लिए भी सहमत हैं। इसके अलावा जरूरत पड़ने पर सरकार और बाहरी एजेंसियों द्वारा संभावित वित्त पोषण के लिए नए शोध परियोजना प्रस्तावों या प्रशिक्षण कार्यक्रमों को तैयार करने और प्रस्तुत करने के अवसरों की संयुक्त रूप से पहचान करने और उनका पीछा करने के लिए सहमत हैं। दोनों संस्थानों द्वारा किए जाने वाले कार्यक्रमों में विद्यार्थियों के साथ शोधार्थियों को भी शामिल किया जाएगा। इसके लिए प्रमाणपत्र भी जारी किए जाएंगे। समझौते के समय आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश जैन और एआइजीजीपीए के उपाध्यक्ष प्रो. सचिन चतुर्वेदी व निदेशक गिरीश शर्मा सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

शोध के लिए डीएवीवी और एआइजीजीपीए के बीच करार

इंदौर। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय (डीएवीवी) और अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन व नीति विश्लेषण संस्थान (एआइजीजीपीए) के बीच मंगलवार को करार किया गया। इसके तहत विभिन्न प्रोजेक्ट व शोध कार्यों में विवि के शिक्षक व शोधकर्ता सेवाएं दे सकेंगे। विवि के विभागों के विद्यार्थियों को भी राज्य नीति व योजना आयोग में इंटर्नशिप करने का मौका भी मिलेगा। मंगलवार को एआइजीजीपीए के दल ने कुलपति डा. रेणु जैन से मुलाकात की। दल में एआइजीजीपीए के उपाध्यक्ष प्रो. सचिन चतुर्वेदी, डायरेक्टर जीवी रश्मि, एसीईओ गिरीश शर्मा व लोकेश शर्मा थे। उपाध्यक्ष प्रो. चतुर्वेदी ने कहा विवि गुणवत्तायुक्त शोध व नीति निर्माण में सहयोग कर सकेगा। रेक्टर प्रो. अशोक शर्मा, प्रभारी रजिस्ट्रार अनिल शर्मा, इकोनामिक्स विभाग प्रमुख डा. प्रभु नारायण मिश्रा, डा. कन्हैया आहूजा मौजूद थे।